RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : रविवार 10 सितंबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 137 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मनोज जारांगे ने किया एलान...

'मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र नहीं मिल जाता जब तक जारी रहेगा अनशन'

मराठा आरक्षण के मुद्दों को लेकर महाराष्ट्र में राजनीति जोरों पर है, जालना में अनशन पर बैठे मनोज जारांगे ने मांग की है कि महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के लोगों को कुनबी प्रमाणपत्र दिया जाए। हालांकि इसको लेकर सीएम शिंदे ने सकारात्मक रुख अपनाया है। लेकिन इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने शनिवार को अपना रुख कड़ा करते हुए कहा कि जब तक महाराष्ट्र में मराठों को ओबीसी श्रेणी के तहत कुनबी जाति प्रमाण पत्र नहीं मिल जाता, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा और उन्होंने रविवार से पानी और दवा लेना बंद करने की धमकी दी।

कैबिनेट के फैसले से खुश नहीं जारांगे

इस हफ्ते की शुरूआत में, महाराष्ट्र कैबिनेट ने फैसला किया कि मराठवाड़ा क्षेत्र के उन मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे जिनके पास निजाम युग के राजस्व या शिक्षा दस्तावेज हैं जो उन्हें कुनबी के रूप में पहचानते हैं। कैबिनेट के फैसले की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वह इस मामले में किसी भी मदद के लिए अपने तेलंगाना सीएम से भी बात करेंगे। कैबिनेट के फैसले के आधार पर, सात सितंबर को एक सरकारी संकल्प (जीआर) जारी किया गया था, लेकिन यह जारांगे को संतुष्ट करने में विफल रहा।

जारांगे ने कहा कि हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाण पत्र मिले। उन्होंने मुंबई में शुक्रवार देर रात मराठा समुदाय के नेताओं और सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई वार्ता के ताजा नतीजे को भी खारिज कर दिया। कुनबी, कृषि से जुड़ा एक समुदाय है, जिसे महाराष्ट्र में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण लाभ का भी मिलता है। मराठवाड़ा क्षेत्र महाराष्ट्र का हिस्सा बनने से पहले तत्कालीन हैदराबाद साम्राज्य का हिस्सा था।

जारांगे की तीन और मांगें

जारांगे ने सात सितंबर जीआर में संशोधन की मांग के अलावा तीन और मांगें की हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार ने 2004 में कुनबियों, मराठा-कुनबियों और कुनबी-मराठों को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के रूप में मान्यता देते हुए एक जीआर निकाला था, लेकिन यह बहुत कठोर था और इससे उन लोगों को लाभ नहीं हुआ जो कोटा के हकदार थे। उन्होंने सरकार से उस जीआर में संशोधन करने को कहा है। उन्होंने पिछले सप्ताह जालना जिले में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई और आंदोलनकारियों के खिलाफ पुलिस मामले वापस लेने की भी मांग की है। मराठा आरक्षण का मामला राज्य सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है, जब पुलिस ने पिछले हफ्ते अंतरवाली सराटी में हिंसक भीड़ पर लाठीचार्ज किया था, जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर अधिकारियों को जारांगे को अस्पताल में स्थानांतरित करने से मना कर दिया था।

मुंबई की एक रिहायशी इमारत में आग... 33 लोगों को बचाया गया

मुंबई : मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंधेरी पूर्व में शनिवार सुबह एक सोसायटी की रिहायशी इमारत के बिजली मीटर बॉक्स में आग लगने के बाद बच्चों सहित 33 लोगों को बचा लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक साकीनाका के डिसूजा कम्पाउंड में भूतल समेत चार मंजिला साकी सहकारी आवास सोसाइटी में सुबह लगभग 8:51 बजे लगी आग में कोई हताहत नहीं हुआ और सुबह 10:45 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

अधिकारी ने कहा, ''यह कम तीव्रता की आग थी। हमने पहली मंजिल से चार पुरुषों और तीन महिलाओं सहित 33 लोगों को बचाया, दूसरी मंजिल से दो नवजात शिशुओं समेत 16 लोगों को, तीसरी और चौथी मंजिल से 10 लोगों को बचाया गया। बचाव अभियान के लिए कई सीढ़ियों का इस्तेमाल किया गया।''उन्होंने कहा कि चूंकि मीटर बॉक्स इमारत के भूतल पर स्थित है और ऊपर के फ्लैट में रहने वालों के लिए नीचे आना जोखिम भरा था, इसलिए अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने घर में प्रवेश करने और लोगों को बचाने के लिए इमारत की एक खिड़की की ग्रिल काट दी। अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों के साथ पानी का एक टैंकर, एम्बुलेंस और अन्य उपकरण तैनात किए गए थे। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

मवेशियों को कैद करने के मामले में पालघर में छापेमारी, पुलिस की रडार पर चार आरोपी

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में मवेशियों को कैद करने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने एक परिसर में छापा मारा। इस दौरान आरोपियों ने पुलिसकर्मियों की एक टीम पर हमला कर दिया और उनमें से एक घायल हो गया। एक अधिकारी ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिले के वाडा इलाके में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुई। जिला पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने कहा, 'एक गुप्त सूचना के आधार पर, वाडा पुलिस की एक टीम ने परिसर में छापा मारा और वहां चार गायों को बंधा हुआ पाया और उन्हें चारा नहीं दिया गया था।'

अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद एक महिला समेत चार लोगों ने दो गायों की हत्या कर दी और 27,550 रुपये का मांस परिसर में रख दिया। इस छापेमारी के दौरान आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और उन्हें अपनी ड्यूटी करने से रोका। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने महिला को पकड़ लिया, जबकि एक आरोपी, पुलिसकर्मी को घायल करके भागने में कामयाब हो गया। अधिकारी ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया गया।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

फिलहाल, पुलिस ने धारा 307 (हत्या का प्रयास), 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल), और भारतीय दंड संहिता, पशु क्रूरता अधिनियम और महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारी ने कहा कि अब तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं, पुलिस ने तीन फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

ठाणे में टैंकर नाले में गिरा, आठ टन सल्फ्यूरिक अम्ल पानी में घुला...

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर के बाहरी इलाके में शनिवार तड़के एक टैंकर सड़क से फिसलकर नाले में गिर गया और उसमें (टैंकर में) मौजूद सल्फ्यूरिक अम्ल पानी में घुल गया तथा इसकी तेज गंध पूरे इलाके में फैल गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे मुंब्रा बाईपास रोड पर हुई, जिसमें टैंकर चालक को चोटें आईं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह नाला ठाणे शहर के बाहरी इलाके से मुंब्रा खाड़ी की ओर प्रवाहित होता है। स्थानीय नगर निकाय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया, ''एक टैंकर सड़क से फिसलकर नाले में गिर गया। टैंकर में

आठ टन सल्फ्यूरिक अम्ल था। यह दुर्घटना उस वक्त हुई, जब चालक बृजेश सरोल (45) ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। उसे चोटें आईं तथा उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'

अधिकारी ने बताया कि हालांकि वह अम्ल से झुलसा नहीं है। उन्होंने बताया, ह्यनाले के पानी में अम्ल घुल गया और इसकी तेज गंध इलाके में फैल गई।' अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे तक बचाव एवं राहत अभियान चलाया। उन्होंने कहा, ह्यजिस क्षेत्र में दुर्घटना हुई वह आवासीय नहीं है, इसलिए, इससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और अब तक किसी से स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत नहीं मिली है।'

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हमारे अंतरराष्ट्रीय उभार का आधार,

नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजन के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का कद बढ़ना और तय है। भारत भू-राजनीति एवं भू-आर्थिकी केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। दुनिया नई दिल्ली की दिखाई दिशा के अनुरूप सक्रिय हो रही है। आज भारत के नेतृत्व की साख को कहीं अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है और अधिकांश राष्ट्र नई दिल्ली के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाना चाहते हैं। दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था, अधिसंख्य युवा आबादी, गतिशील लोकतंत्र, वंचित वर्गों के कल्याण के भरसक प्रयासों के साथ ही विश्व कल्याण को समर्पित व्यावहारिक विदेश नीति वाला भारत अतीत की तमाम हिचक छोड़कर आगे बढ़ने के लिए तत्पर दिख रहा है।

वैश्विक पटल पर भारत का यह उभार अर्से से लंबित था। प्रेक्षकों की हमेशा से यही शिकायत रही है कि भारत संभावनाओं से भरा ऐसा देश रहा है, जो अपनी क्षमताओं के साथ कभी न्याय नहीं कर पाया। अब चूंकि भारत अपने वादों पर खरा उतरने लगा है तो यह भी उसके प्रति वैश्विक झुकाव की एक बड़ी वजह है, क्योंकि इस दौरान नई दिल्ली ने खुद को आंतरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ ही भारतीय राज्य की क्षमताओं को भी बखूबी रेखांकित किया है। पिछले कुछ वर्षों में आंतरिक सुरक्षा की स्थिति में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है। कई महत्वपूर्ण, किंतु अशांत क्षेत्रों में शांति बहाल हुई है। आतंकी हमलों के लिहाज से नाजुक देश में आतंकवाद पर व्यापक अंकुश लगाया गया है। जहां घरेलू आतंकी तत्वों पर निर्णायक प्रहार कर उन्हें काबू किया गया तो बाहरी आतंकी शक्तियों को भी किनारे रखने में कामयाबी मिली है। आंतरिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35-ए से मुक्ति दिलाना एक बड़ी उपलब्धि रही। स्वतंत्रता के बाद से कश्मीर घाटी में बनी यथास्थिति भारत के लिए भारी पड़ती जा रही थी।

राजनीतिक एवं नीतिगत दृढ़ता का अभाव ही भारतीय नीति-नियंताओं के लिए इस जकड़न को दूर करने में बाधक बना हुआ था। इस लिहाज से मोदी सरकार के सुधारवादी एजेंडे की सफलता न केवल जम्मू-कश्मीर की जनता, बल्कि भारत के भविष्य की दृष्टि से भी बहुत अहम है। यह सही है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े संवैधानिक परिवर्तनों को जमीन पर आकार लेने में कुछ समय लगेगा, पर इस कदम ने भारत के दुश्मनों की नींद जरूर उड़ा दी है। लद्दाख को लेकर चीन की कुंठा इसी कदम का नतीजा है, क्योंकि इस दांव से समूचे क्षेत्र में भारत की पकड़ मजबूत होगी। यह चीन की बदनीयती और दूरगामी दुस्साहसिक लक्ष्यों के लिए झटका है। आखिरकार भारत अपनी कमजोरी वाले दायरे से बाहर निकलकर खुद को सशक्त बना रहा है तो इससे उनका असहज होना स्वाभाविक ही है, जो पूर्व की यथास्थिति के साथ सहज थे।

पूर्वोत्तर भारत भी एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर हाल के वर्षों में सरकार ने बहुत ज्यादा ध्यान दिया है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारतीय नीति-निमार्ताओं की ओर से इस क्षेत्र की व्यापक अनदेखी हुई, जिसके कारण भी समझ से परे हैं। अतीत से चला आ रहा यह रुख अदूरदर्शी भी रहा, जबकि यह वही क्षेत्र है जिस पर चीन रह-रहकर अपनी बुरी नीयत दिखाता रहा है। इसके बावजूद नई दिल्ली ने इस क्षेत्र को कभी राष्ट्रीय चेतना के साथ नहीं जोड़ा। इसी कारण भारत मात्र एक ह्यदक्षिण एशियाई शक्ति' के रूप में सिमटकर रह गया था, जबकि भारत का पूर्वोत्तर दक्षिण पूर्व एशिया के साथ संपर्क की नैसर्गिक कड़ी थी। उस पर ध्यान देकर हिंद-प्रशांत को लेकर भारत का दावा और मजबूत होता।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र में मणिपुर प्रयोग को दोहराने की कोशिश की जा रही है - नाना पटोले

मुंबई : महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने शहर में 'जन संवाद यात्रा' की शुरूआत से ठीक पहले भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि महाराष्ट्र में मणिपुर प्रयोग को दोहराने की कोशिश की जा रही है। नागपुर के रवि भवन में मीडिया से बात करते हुए पटोले ने कहा कि भाजपा मराठों और ओबीसी के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है। जैसा कि मणिपुर में हुआ, लेकिन यह कभी सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठों और धनगरों को आरक्षण देने का वादा किया था, जो कभी हकीकत नहीं बन सका। सरकार को इस जटिल मुद्दे को सावधानी से संभालना चाहिए और भाजपा को वादे के मुताबिक, मराठों को आरक्षण देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से जाति जनगणना की मांग कर रही थी, पटोले ने भाजपा पर फूट डालो और राज करो की ब्रिटिश विरासत को अपनाने का भी आरोप लगाया। हमारी रायपुर बैठक में निर्णय लिया गया कि हम जाति जनगणना कराएंगे, लेकिन भाजपा इसका विरोध कर रही थी। सरकार को अपनी गलतियों के कारण ओबीसी और मराठों के बीच टकराव पैदा नहीं करना चाहिए। गलतफहमी पैष्ठलाने के बजाय उसे आरक्षण पर लगी ५० फीसदी की सीमा हटा देनी चाहिए। एमपीसीसी प्रमुख ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' की वर्षगांठ पूरे देश में उत्साह के साथ मनाई जा रही है और यह दिन कांग्रेस कार्यकताओं के साथ-साथ नई पीढ़ी के लिए भी प्रेरणादायक है।

केंद्र सरकार की तानाशाही के विरोध में लड़ाई शुरू है। मोदी सरकार में प्रचंड महंगाई बढ़ी हुई है। दवाइयां महंगी हुई हैं। खेती के लिए लगनेवाली सामग्री भी महंगी हुई है। जीएसटी के माध्यम से व्यापारियों को लूटा जा रहा है। सामान्य लोगों से जीएसटी के माध्यम से पैसा निकालकर अपने मित्रों की जेबें भर रहे हैं। उद्योगपतियों के कर्जे माफ किए जा रहे हैं। डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा संविधान में दिए गए अधिकारों को मोदी सरकार द्वारा समाप्त किया जा रहा है। राज्य की ईडीए सरकार को लेकर लोगों में तीव्र नाराजगी व्याप्त है।

सड़कों पर मौजूद २८७ घरों और दुकानों को नोटिस जारी

ठाणे : रेलवे प्रशासन और अंबरनाथ नगरपालिका प्रशासन ने अंबरनाथ रेलवे स्टेशन के समीप भीमनगर और बी केबिन सड़कों पर मौजूद २८७ घरों और दुकानों को नोटिस जारी किया हैं, क्योंकि मध्य रेलवे की तीसरी और चौथी रेलवे लाइन का और दो प्रस्तावित सड़कों का कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है। घरों को नोटिस जारी किए जाने से हड़कंप मच गया है, वहीं अब क्या अंबरनाथ रेलवे स्टेशन के समीप विकास हो पाएगा या नहीं इस पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है?

बता दें कि अंबरनाथ रेलवे स्टेशन के पूर्व में शिवाजी चौक से कानसई तक और रेलवे स्टेशन से सटे बी केबिन रोड के बॉम्बे होटल से हनुमान मंदिर तक दो १८ मीटर चौड़ी सड़कें प्रस्तावित हैं।

मुंबई ट्रेन धमाका: अगले महीने से हर रोज पुष्टिकरण याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी कोर्ट...

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार के बाद महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने वरिष्ठ अधिवक्ता राजा ठाकरे को 2006 के मुंबई सिलसिलेवार ट्रेन विस्फोट मामले से जुड़ी अपीलों में प्रतिनिधित्व करने के लिए विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नियुक्त किया है। जस्टिस नितिन साम्ब्रे और जस्टिस राजेश पाटिल की खंडपीठ ने बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान इस मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखाने के लिए महाराष्ट्र सरकार की खिंचाई की थी।

निचली अदालत ने 2015 में इस मामले में पांच आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी, लेकिन इसकी पुष्टि के साथ-साथ आरोपियों द्वारा दायर अपील पर हाईकोर्ट में सुनवाई अभी तक शुरू नहीं हुई है। शुक्रवार को पीठ को सूचित किया गया कि सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए ठाकरे को विशेष अभियोजक नियुक्त किया गया है।

अदालत ने कहा कि वह 5 अक्तूबर से दैनिक आधार पर पुष्टिकरण याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी। दोषियों में से एक के वकील ने अनुरोध किया कि सुनवाई दो सप्ताह बाद शुरू की जाए, लेकिन अदालत ने अनुरोध अस्वीकार कर दिया। 11 जुलाई, 2006 को शाम के व्यस्त समय के दौरान मुंबई की लोकल ट्रेनों में सात सिलसिलेवार विस्फोट हुए थे जिनमें 180 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

वर्षा की कमी के चलते फसल नुकसान का सामना कर रहे किसानों को तत्काल मुआवजा दिया जाए: उद्धव ठाकरे

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार को उन किसानों को तुरंत मुआवजा देना चाहिए जिन्हें बारिश की कमी के कारण फसल का नुकसान हुआ है। अहमदनगर का दौरा करने वाले ठाकरे ने राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा, जहां पिछले कुछ हफ्तों में सूखे के कारण कई गांवों में खड़ी फसलें नष्ट हो गई हैं। ठाकरे ने कहा कि शिंदे हेलीकॉप्टर से अपने खेत जा सकते हैं लेकिन उन्हें उन इलाकों का भी दौरा करना चाहिए जहां किसानों को फसल का नुकसान हो रहा है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा, ''जब किसान सूखे के कगार पर हैं, तो उन्हें पिछले साल बेमौसम बारिश (के कारण हुए नुकसान) का मुआवजा नहीं मिला है। सरकार को तत्काल मुआवजा देना चाहिए।

अगस्त में बारिश की कमी के कारण राज्य के कई हिस्से सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार की एक रुपये में फसल बीमा योजना की भी आलोचना की और इसे ;तमाशा; बताया और पूछा कि फसलों के नुकसान के संबंध में पंचनामा (नुकसान का आकलन) कब किया जाएगा। ठाकरे ने आरोप लगाया, सरकार झूठ बोल रही है।

मनपा स्कूलों में छात्रों के लिए अब रात्रिकालीन अध्ययन कार्यक्रम

मुंबई : मनपा स्कूलों में छात्रों के लिए अब रात्रिकालीन अध्ययन कार्यक्रम शुरू किया गया है। इससे मनपा और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा ९वीं और १०वीं के विद्यार्थियों को फायदा होगा। ये कक्षाएं शाम ६ बजे से रात ८ बजे तक चलेंगी। पंडित दीनदयाल शर्मा योजना के तहत शुरू किए गए इस कार्यक्रम का शुभारंभ आज अंधेरी के

कोल्डोंगरी नित्यानंद मार्ग पब्लिक स्कूल में होगा। मुंबई की घनी आबादी में छोटे घर होने के कारण अक्सर छात्रों को पढ़ाई के लिए जरूरी जगह और गोपनीयता नहीं मिल पाती है। इसी को देखते हुए मनपा स्कूलों में रात्रि अध्ययन कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुंबई के संरक्षक मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने किया।

बिल्डर सहित पांच पर एमआरटीपी के तहत मामला दर्ज...तोड़क कार्यवाई कब?

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी शहर में मनपा अधिकारियों की मिलीभगत से बिल्डिंगों के अवैध निर्माण का कार्य तेजी से फल फूल रहा है।जिसके तहत प्रभाग समिति तीन के सहायक आयुक्त ने बिल्डर सहित 5 लोगो पर बिना परमिशन अवैध निर्माण करने के कारण एम आर टी पी के तहत मामला दर्ज कराया है। भिवंडी मनपा आयुक्त अजय वैद्य शहर में किए जा रहे अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है।जिसके बाद प्रभाग समिति स्तर पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दिया है।स्थानीय शास्त्री नगर इलाके के नेहरू नगर रोड घर नंबर 5820.58/1एंव 58/2 पर दो मंजिला अवैध निर्माण किया जा रहा था।उक्त निर्माण कार्य के लिए बिल्डर हाफिज तबरेज शेख (उर्फ फलाही) व जमीन मालिक राशिद मुनीर शेख (मालिक)किस्तुन्निसा मो. मुस्लिम शेख (मूल मालिक) मो. शब्बीर मो. अब्बास शेख,मुनीर अहमद अब्बास शेख, ने मनपा प्रशासन से किसी प्रकार का कोई परमिशन नही लिया था।जिसके कारण प्रभाग समिति तीन के सहायक आयुक्त सोमनाथ सोष्टे ने इस निर्माण को अवैध करार बताते हुए इसे खुद से धराशाई करने का आदेश बिल्डर को दिया था।बावजूद बिल्डर ने अपने अवैध निर्माण को निष्कासित करने के बजाय अवैध निर्माण कार्य को जारी रखा।जिसके कारण सहायक आयुक्त सोष्टे ने एक सितंबर 2023 को भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में बिल्डर व जमीन मालिक पर महाराष्ट्र प्रादेशिक नगररचना अधिनियम 1966 के धारा 52 के तहत केस दर्ज कराया है।लेकिन दस दिन बीत जाने के बाद अभी तक मनपा द्वारा अवैध निर्माण का तोड़क कार्यवाई नहीं होने से मनपा प्रभाग समिती तीन के अधिकारीयों पर जनता द्वारा तरह तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं,शात्री नगर के रहवासियों ने बताया कि ये अगर कोई गरीब का झोपडा होता तो मनपा प्रशासन अब तक तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ती लेकिन अमीरों से सांठ गांठ करके मनपा अधिकारी केवल दिखावा कर रहे हैं.

७ की छात्रा का वीडियो और फोटो वायरल, ९ में पढ़ने वाले किशोर के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू

मुंबई : सोशल मीडिया से कुछ चीजें जितनी आसान हुई हैं, उतनी ही आम इंसान के जीवन में कठिनाई भी आई है। इसी में से एक पोर्नोग्रॉफी है। पोर्नोग्रॉफी बच्चों के बालमन पर गहरा असर डाल रही है। इसका ही नतीजा है कि यूपी की राजधानी में सेक्स वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण करने वालों की फेहरिस्त में नाबालिग भी शामिल हो गए हैं। नाबालिग सेक्स वीडियो में शामिल होकर अपराध को बढ़ा रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो ये है कि बुलडोजर बाबा के राज्य में नाबालिग अपराधी बढ़ते जा रहे हैं। कक्षा-७ की छात्रा का कक्षा-९ में पढ़ने वाले किशोर ने बातों में फंसाकर न्यूड वीडियो बना लिया। उसके बाद उसे ब्लैकमेल कर अकेले में मिलने की जिद्द करने लगा। इसी तरह जून में एक किशोर पर अपनी गर्लफ्रेंड का रेप करके हत्या का आरोप लगा। उसको बाल सुधार गृह भेजा गया। सआदतगंज थाना में पिछले दिनों एक पिता ने एक एफआईआर दर्ज कराई है। पिता के मुताबिक, उनकी १४ वर्षीय बच्ची का पिछले एक साल से १५ साल का लड़का शारीरिक शोषण करने की कोशिश कर रहा है। उनकी बेटी के कक्षा सात में पढ़ने के दौरान कक्षा नौ में पढ़ने वाले किशोर ने अपनी बातों में फंसा लिया। उसके बाद उसकी एक फोटो को अश्लील बनाकर ब्लैकमेल करने लगा।

पिता के मुताबिक, आरोपी ने फोटो डिलीट करने के लिए शर्त रखी कि वह (पीड़िता) उसको अपना न्यूड वीडियो बनाकर भेजे नहीं तो फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। बेटी ने धमकी और बदनामी के डर से अपनी न्यूड वीडियो आरोपी किशोर को भेज दी, जिसके बाद वह उसका गलत प्रयोग कर रहा है। इसके बाद बेटी के विरोध पर अपने साथ में पढ़ने वाले बच्चों को वही वीडियो भेज रहा है। साथ ही धमकी दी कि यदि उसकी बात नहीं मानी, किसी को बताया तो एसिड से जला देगा।

जांच में पता चला है कि बच्चा दोस्तों के साथ पॉर्न फिल्में देखता था, जिससे उसके बालमन पर गलत असर पड़ा। इसी के चलते पीड़िता के पिता ने इसमें आरोपी किशोर के साथ उसके दोस्तों का भी हाथ होने की आशंका जाहिर की है। बच्ची किशोर के ब्लैकमेल से गुमसुम रहने लगी, लेकिन कई बार पूछने पर भी परिजनों को नहीं बताया। इसी बीच उसके वीडियो और फोटो स्कूल के बच्चों के बीच वायरल होने पर २३ अगस्त को स्कूल के प्राचार्य ने इस घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर १०९८ पर शिकायत की।

नामचीन गुंडे को कुछ लोगों ने मिलकर जान से मारने की कोशिश

कल्याण : कोलसेवाड़ी में कानून लगातार अपनी पकड़ खोता जा रहा है। कमजोर पड़ रहे कानून के बीच यहां गैंगवार जैसी स्थित बन गई है। बलात्कार, बलात्कार की कोशिश तो कभी हत्या तो कभी हत्या की कोशिश सहित अनगिनत गुनाहों का सिलसिला लगातार जारी है। दो दलों के वर्चस्व की लड़ाई में कोलसेवाड़ी रक्तरंजित होने लगी है। कुछ दिन पहले ही एक नामचीन गुंडे की हत्या के बाद कल फिर एक नामचीन गुंडे को कुछ लोगों ने मिलकर जान से मारने की कोशिश की, लेकिन इस हमले में उसकी जान तो बच गई लेकिन वह अस्पताल में अपनी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। बता दें कि कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन की हद में एक के बाद एक नया हादसा होता जा रहा है। कानून का भय बदमाशों के बीच विल्कुल नहीं है।

अस्पताल में आनेवाले मरीजों, चिकित्सकों और अन्य कर्मचारियों की जान पर खतरा!

मुंबई : मॉल में चल रहे अस्पताल में दो साल पहले आग लगने से करीब ११ लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले ईएसआईसी अस्पताल में आग लगने से १४ से १५ लोगों की मौत हो गई थी। अस्पताल में इस तरह से आग लगने के कई मामले सामने आ चुके हैं। हालांकि, इन हादसों से राज्य सरकार और मनपा प्रशासन के साथ ही अब म्हाडा भी बिल्कुल सबक नहीं सिख रही है। हालांकि, इतना जरूर है कि ऐसी कोई घटना सामने आने पर कुछ दिनों तक तंत्र सक्रिय रहता है। इसके बाद फिर से पुराना ढर्रा शुरू हो जाता है। इसी क्रम में अंधेरी पश्चिम में स्थित क्रिटीकेयर अस्पताल में नियमों को ताक पर रखते हुए अवैध निर्माण करके बेसमेंट में डायग्नोस्टिक सेंटर, बिलिंग, कैश, अकाउंट विभाग, एमआरआई, ब्लड बैंक आदि चल रहा है। इसके चलते अस्पताल में आनेवाले मरीजों, चिकित्सकों और अन्य कर्मचारियों की जान पर खतरा मंडरा रहा है।

देश भर के अस्पतालों की सुरक्षा से लेकर अग्निरोधक उपकरणों आदि पर विशेष ध्यान देने की बड़ी जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार की होती है।इसके बावजूद कई जगहों पर आग समेत कई तरह की घटनाओं से लोगों की मौत हो जाती है। महाराष्ट्र राज्य रोगी सेवा व श्रमिक कामगार संगठन के राज्य सचिव भीमेश मुतुला ने कहा कि राज्य सरकार और मनपा प्रशासन की तरफ से निजी अस्पतालों पर खासा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आलम यह है कि मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित क्रिटिकेयर अस्पताल में बड़े प्रमाण में अवैध निर्माण कर लोगों की जान को खतरे में डाला जा रहा है। वहीं उन्होंने म्हाडा अधिकारियों के समक्ष यह सिद्ध कर दिया है कि म्हाडा की इमारत की संरचना में आरक्षित दो बेसमेंट में बड़े प्रमाण में डीसीपीआर कानून का उल्लंघन करके अवैध निर्माणकार्य किया गया है। इसके साथ ही इमारत के पूरे सातों मंजिल पर अस्पताल शुरू किया गया है, जहां उसमें भी अवैध निर्माण किया गया है। इसके साथ ही यहां बेसमेंट में एमआरआई समेत कई परीक्षण मशीनें, डायग्नोस्टिक सेंटर, बिलिंग, नकदी, खाता विभाग, ब्लड बैंक अवैध रूप से शुरू किया गया है।

सक्षम स्वराज्य संस्थाओं को प्रत्येक निर्माणकार्य फुट के आधार पर भुगतान करना पड़ता है, जबकि इस मामले में अवैध निर्माण कर खाली जगह का उपयोग किया गया है। साथ ही म्हाडा को लाखों रुपए का चूना लगाया गया है। लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इस मामले में मुतुला ने बार-बार म्हाडा अधिकारियों से संपर्क किया। साथ ही महाराष्ट्र प्रादेशिक और नगर रचना अधिनियम के अनुसार इमारत के दुरुपयोग को प्रतिबंधित करके कार्रवाई की मांग की है। म्हाडा के कार्यकारी अभियंता हनुमंत धनुरे ने कहा कि शिकायतकर्ता और अस्पताल प्रबंधन की ओर से जवाब दर्ज किया गया है। दोनों का जवाब लेने के बाद उसे आगे की कार्रवाई के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की तरफ से कहा गया है कि इमारत में निर्माण को लेकर प्लानिंग बना उसे मंजूरी के लिए प्लानिंग अथॉरिटी के पास भेजा गया है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि बिना मंजूरी कैसे निर्माण किया गया तो उन्होंने गोलमटोल जबाव देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया।

ससुराल वालों की दहेज प्रताड़ना व राखी बांधने न जाने से त्रस्त होकर विवाहिता ने की खुदकुशी

मायके से दहेज के रूप में बाइक लाने का डालते थे दबाव,पति सहित पांच लोगो पर केस दर्ज

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : ससुराल वालों की मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से त्रस्त होकर तथा रक्षा बंधन पर भाई को राखी न बांध पाने से नाराज होकर 34 वर्षीय महिला ने साड़ी को फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर पति सहित पांच लोगो पर केस दर्ज किया है लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के बैकुंठ गांव की रहने वाली सोलापुर निवासी कविता गौंड की शादी वर्ष 2012 में भिवंडी कल्याण रोड पर स्थित स्वयं सिद्धी कालेज के बगल में रहने वाले सुनील गौंड के साथ हुई थी।शादी के बाद से ही महिला अपने ससुराल वालों के साथ टेमघर इलाके में स्थित स्वयंसिद्धी कॉलेज परिसर के स्काय गार्डन के घर नंबर 303 में रहती थी।तत्पश्चात ससुराल वालों ने आपस में मिली भगत कर महिला को मायके से दहेज के रूप में बाइक लाने के लिए दबाव डालने लगे।महिला द्वारा नकारने

पर ससुराल वालो ने उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे।इतना ही नहीं पुलिस ने बताया कि रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए महिला को उसके ससुराल वालों ने मायके नही जाने दिया।जिसके बाद ससुराल वालों की प्रताड़ना से त्रस्त होकर विवाहित महिला ने 6 सितंबर 2023 को घर के बेडरूम में छत के हुक में साड़ी को फांसी का फंदा बनाकर उससे लटककर आत्महत्या कर ली।इस मामले में मृतक महिला के भाई भरत कुमार रघुनाथ प्रसाद गौंड की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने मृतक के पति सुनील गौंड,ससुर राम अवतार गौंड, सास लीलावती देवी गौंड,देवर सुधीर गौंड व ननंद गुंजन गौंड, पर आईपीसी की धारा 306,504,323 व 34 के तहत केस दर्ज किया है।

प्राणियों के लिए शमशान भूमि का निर्णय

ठाणे : प्राणी प्रेमी अपने पालतू जानवरों को अपने परिवार के सदस्य की तरह ही प्रेम करते हैं। उन्हें पालनेवाले लोग अपने जानवरों की मौत के बाद उनका अंतिम संस्कार करने की इच्छा रखते हैं। आम नागरिकों की इसी इच्छा को पूर्ण करने के लिए ठाणे मनपा ने प्राणियों के लिए शमशान भूमि का निर्माण करने का निर्णय लिया। मनपा के अनुसार, आम नागरिकों की भावना को आहत न पहुंचे इसलिए यह निर्णय लिया गया है। बता दें कि ठाणे मनपा की सीमा में कुल ३७ शमशान भूमि मौजूद हैं। इन शमशान भूमि का कायापलट करने का कार्य ठाणे मनपा द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में ठाणे मनपा की सीमा में पालतू व आवारा जानवरों के लिए शमशान भूमि निर्माण करने का निर्णय लिया गया है। कुछ वर्ष पहले शील डायघर में एक घोड़े को दफनाया गया था। इस दौरान स्थानीयों ने ठाणे मनपा की कड़ी आलोचना की थी। इतना ही नहीं यह मुद्दा महासभा में भी गूंजा था। उसी दौरान ठाणे मनपा ने प्राणियों के लिए स्वतंत्र अस्पताल और श्मशान भूमि बनाने का निर्णय लिया था। शुरूआत में घोडबंदर इलाके के कावेसर में प्राणियों के लिए स्वतंत्र अस्पताल और शमशान भूमि के लिए प्रस्ताव तैयार किया था, किंतु इसके विरोध के चलते प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया था। अब एक बार पुनः प्रयत्न शुरू कर दिया गया है।

ठाणे मनपा ने कुछ महीने पहले पडले गांव के कोंडवाड्या की जगह पर प्राणियों के लिए अस्पताल और शमशान भूमि बनाने का विचार किया था। प्रस्ताव विफल हो गया, क्योंकि उस स्थान पर अस्पताल और शवदाह गृह बनाना संभव नहीं था। इसके बाद मनपा का प्रदूषण नियंत्रण विभाग दो माह से दोबारा जगह की तलाश में जुट गया है। इसके लिए नगर विकास विभाग को पत्र भी भेजा गया है।

अय्याशी करने के लिए चोरी और डकैती, 32 वर्षीय सेंधमार गिरफ्तार

मुंबई : क्राइम ब्रांच की यूनिट-११ की पकड़ में युवक आया है, वो एक नहीं, दो नहीं, बल्कि १५ गर्लफ्रेंड्स (प्रेमिका) पर पैसा लुटाने और उनके साथ अय्याशी करने के लिए चोरी और डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देता था। आखिरकार, वो बिल्डिंग में लगी तीसरी आंख में कैद हो गया और उसके सारे राज खुल गए। इसके बाद पुलिस द्वारा फैलाए गए जाल में वह खुद फंस गया। चारकोप पुलिस स्टेशन अंतर्गत आने वाली सोसायटियों और हाई प्रोफाइल इमारतों में चोरी और डकैती जैसी घटनाओं ने पुलिस अधिकारियों को हैरान और परेशान कर रखा था। वे इन अपराधों को अंजाम देने वाले गैंग को पहचानने में नाकाम साबित हो रहे थे। आए दिन पुलिस स्टेशन में चोरी और डवैष्ठती जैसी घटनाओं की शिकायतें बढ़ गई थी। चारकोप पुलिस ने एक टीम तैयार कर जांच शुरू की। इसके साथ ही जांच के लिए क्राइम ब्रांच यूनिट-११ से भी मदद मांगी। पुलिस ने जांच के दौरान दो सोसायटियों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज

देखा तो पाया कि दोनों ही जगह एक ही शख्स अंदर गया, जो हारून था। बाद में पता चला कि उसके खिलाफ सेंधमारी की पचास से ज्यादा मामलों में तलाश है। इसके बाद पुलिस ने हारून की तलाश करनी शुरू कर दी। पुलिस को जानकारी मिली कि वो अपने परिवार के साथ मालवणी स्थित घर में रह रहा था। इसके बाद मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि हारून अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए एक बार में आने वाला है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने पूरे इलाके में अपना जाल फैला दिया। बीते १५ वर्षों में सेंधमारी व लूट के पचास से भी ज्यादा मामलों में उसके खिलाफ शहर व बाहर के कई पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान हारून ने कबूल किया कि वह विलासिता पूर्ण जीवन जीने के लिए सेंधमारी व लूट की घटनाओं को अंजाम दिया करता था।

क्राइम ब्रांच यूनिट-११ के तत्कालीन एपीआई चिम्माजी ने बताया कि मालवानी में उसके लिए जाल बिछाया, लेकिन हारून पकड़ में नहीं आ पाया। कुछ घंटों के बाद हमें जानकारी मिली कि वह चारकोप के एक बार में आने वाला है। एपीआई चिम्माजी के साथी एपीआई मोहन हड़पुड़े ने बताया कि उन्होंने जानकारी को क्रॉस चेक किया और उसके बाद हारून को पकड़ने के लिए एक टीम को वहां भेजा गया।

क्राइम ब्रांच के सूत्रों ने बताया कि जब पुलिस अधिकारी मालवणी स्थित आरोपी के घर पर पहुंचे तो आश्चर्य में पड़ गए। घर को कीमती चीजों से सजाया गया था और पूरा परिवार विलासितापूर्ण जीवन जी रहा था। आखिर में पुलिस को मालवणी के रहने वाले ३२ वर्षीय सेंधमार हारून जयदेव सरदार की काफी दिनों से तलाश थी, उसे गिरफ्तार कर लिया।

पालघर में ट्रक से टकराई बस, 47 छात्रों सहित 55 यात्री घायल

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में शुक्रवार को सुबह एक ट्रक से बस टकरा गई जिससे उसमें सवार कम से कम 55 यात्री घायल हो गए। घायलों में सबसे अधिक स्कूल एवं कॉलेज के छात्र हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब पौने सात बजे वाडा तहसील के देसाई गांव के पास हुई। नगर निगम के ठाणे मंडल के नियंत्रक विलास राठौड़ ने कहा, दुर्घटना में शामिल बस एमएसआरटीसी की थी जिसमें बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के छात्र सवार थे। उन्होंने बताया कि बस में कुल 70 यात्री सवार थे।

बस चिंचपाड़ा-वाडा रोड पर सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 47 छात्र समेत 55 यात्री घायल हुए। हालांकि इनमें से किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं।

समय पर इलाज... लकवाग्रस्त दो मरीजों की बची जान!

मुंबई : मनपा के कूपर अस्पताल में पहुंचे लकवाग्रस्त दो मरीजों का समय पर इलाज शुरू होने से उनकी जान बच सकी है। दोनों मरीजों पर करीब चार घंटे तक मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टोमी नामक सर्जरी चली। इन दोनों मरीजों की हालत में अब ९० फीसदी से ज्यादा सुधार है। इस तरह मनपा अस्पताल में समय पर शुरू हुए इलाज से लकवा पस्त हो गया और दोनों मरीज मस्त यानी तेजी से ठीक हो रहे हैं।

बता दें कि वर्तमान में लकवे के इलाज पद्धति में कई परिवर्तन आए हैं। इसमें लकवाग्रस्त रोगियों में लक्षण शुरू होने के साढ़े चार घंटे के भीतर उचित इलाज मिल जाए, तो उनमें काफी सुधार हो सकता है। इसके शिकार मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने के तुरंत बाद सीटी अथवा एमआरआई स्वैष्ठन करके इसका सटीक कारण ढूंढ़ने की जरूरत होती है। लकवाग्रस्त का मूल कारण मस्तिष्क को आपूर्ति करनेवाली रक्त वाहिका में थक्का बनना होता है। इसके इलाज में थ्रोम्बोलिसिस या मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी जैसी उन्नत उपचार विधियां प्रचलन में हैं। रक्त के थक्के के स्थान के आधार पर उपचार के इन दो तरीकों में से एक का पालन किया जाता है। इसकी मदद से मस्तिष्क की रक्त वाहिका में प्रवेश करके खून के थक्के को हटा दिया जाता है। कूपर अस्पताल के चिकित्सा विशेषज्ञों ने जन्माष्टमी के दिन लगातार दो मरीजों की सर्जरी कर उन्हें ठीक किया है।

पहली घटना में ५६ वर्षीय रिक्शा चालक को सुबह पक्षाघात का लक्षण दिखाई देने के बाद कूपर अस्पताल ले जाया गया। इसी तरह दूसरी घटना में दोपहर में लकवा से पीड़ित ५० वर्षीय महिला मरीज को भर्ती कराया गया। महिला की पहले हृदय वाल्व की सर्जरी भी हो चुकी है। इन दोनों मरीजों को जब भर्ती किया गया, तो उनके शरीर का बायां हिस्सा बिल्कुल भी हिल नहीं पा रहा था। अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रद्युम्न ओक, मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. दीपक रावल, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. मनीष सालुंखे की टीम ने कम समय में ही बीमारी की पहचान कर ली। इसके बाद मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी के जरिए करीब चार घंटे तक सर्जरी चली। फिलहाल दोनों मरीज ९० फीसदी ठीक हो चुके हैं। साथ ही उन्हें अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में रखा गया है।

16 पेड़ों के गिरने की घटनाएं, बिजली का शॉक लगने से तीन गायों की मौत

मुंबई : बारिश ने कल विकराल रूप धारण कर लिया और शहर के इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई। मनपा प्रशासन के मुताबिक, शहर में ३३.३९ मिमी, पूर्व उपनगर में ४७.६८ मिमी और पश्चिम उपनगर में ५१.२६ मिमी बारिश दर्ज की गई है। इस बीच सुबह ८ बजे से शाम ६ बजे तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल १६ पेड़ों के गिरने की घटनाएं सामने आईं, जबकि तीन जगहों पर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इसके साथ ही तीन स्थानों पर घर गिरने और एक जगह चट्टान खिसकने का भी मामला प्रकाश में आया। मनपा प्रशासन के मुताबिक, सहार गांव स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के निकट खंभे में दौड़ रही बिजली का शॉक लगने से तीन गायों की मौत हो गई। अगले तीन दिनों तक राज्य में बारिश के आसार हैं। मुंबई के जलाशय क्षेत्रों में पिछले २४ घंटों में अच्छी बारिश हुई है। तानसा जलाशय के १०० फीसदी भरने के बाद उसके गेट खोल दिए गए हैं। साथ ही मध्य वैतरणा जलाशय से

भी पानी छोड़ा जा रहा है। मोडक सागर के भी एक-दो दिन में १०० प्रतिशत भरने की संभावना है।

इसके सीधा असर रेलवे से लेकर यातायात परिवहन पर पड़ा। उपनगरीय ट्रेनें जहां देरी से चल रही थीं, वहीं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों पर वाहनों की कतार दिखी, जिसने आम से खास सभी को परेशानी में डाल दिया। कामकाजी लोग कार्यालयों में देरी से पहुंचे। इसके साथ ही अंधेरी सबवे में बारिश का पानी भरने से यहां से परिवहन परिचालन को बंद कर दिया गया। इसी बीच मौसम विभाग ने मुंबई के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए कल १०० मिमी से अधिक बारिश होने की संभावना व्यक्त की। कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में भी कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मध्य महाराष्ट्र और कोंकण में कुछ जगहों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बारिश फिर से शुरू होने से किसानों के चेहरे पर खुशी नजर आ रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं 3 - 4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावला क्रॉस रोड नं 12, गोरगांव (पूर्व), मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1-ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email-editor@rokthoklekhaninews.com